भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
17.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2990 का उत्तर

सिन्नर होते हुए नासिक रोड और शिर्डी के बीच नई रेल लाइन

2990. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सिन्नर होते हुए एनके (नासिक) और शिर्डी के बीच नई लाइन (72 किमी) के लिए प्रणाली का जांच कार्य एवं यातायात सर्वेक्षण के काम की मौजूदा स्थिति का ब्यौरा और पूरा होने/अंतिम रिपोर्ट मिलने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है;

(ख) सिन्नर होते हुए नासिक और शिर्डी के बीच नई ब्रॉडगेज लाइन (82.81 किमी) के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण के कार्य की मौजूदा स्थिति का ब्यौरा और पूरा होने/अंतिम रिपोर्ट सौपे जाने की निर्धारित समय-सीमा क्या है;

(ग) उक्त परियोजना के लिए निधि स्वीकृत करने और वास्तविक कार्य आरंभ करने की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है; और

(घ) नासिक रोड स्टेशन पर डाउन दिशा में दो स्टेबलिंग लाइनें बनाने, नासिक में निर्दिष्ट रेलगाड़ियों के लिए मार्ग में डिब्बे में पानी भरने की सुविधा और 12 मीटर चौड़ा नया फुट ओवर ब्रिज बनाने के कामों की मौजूदा स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): नासिक रोड-सिन्नर-शिरडी नई लाइन (83 कि.मी.) के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरा हो चुका है। नवीनतम यातायात अनुमानों और लागत का आंकलन करने के लिए नासिक-

सिन्नर-सैनगर-शिरडी नई लाइन (96 किमी) के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण हाल ही में पूरा किया गया है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के बाद, परियोजना को स्वीकृति देने के लिए विभिन्न हितधारकों जैसे राज्य सरकारों से परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे कि नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन आवश्यक है। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृत करना एक निरंतर और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए निश्चित समय-सीमा तय नहीं की जा सकती।

नाशिक रोड में डाउन दिशा में 2 स्टेब्लिंग लाइनों की व्यवस्था का लिए कार्य स्वीकृत किया गया है। स्टेब्लिंग लाइन संख्या 1 का रेलपथ बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है और स्टेब्लिंग लाइन संख्या 2 का कार्य शुरू कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में आने वाले नासिक रोड रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए चुना गया है।

नासिक रोड रेलवे स्टेशन पर, नए 12 मीटर चौड़े ऊपरी सड़क पुल की व्यवस्था, आवश्यकतानुसार मार्ग में कोच में पानी भरने की व्यवस्था, मेला टॉवर कंट्रोल सेंटर की व्यवस्था, परिसंचरण क्षेत्र का विकास, चारदीवारी, प्लेटफार्म सतह संरचना, 16 शौचालय ब्लॉकों के सुधार का कार्य, दिव्यांगजन शौचालय, साइनेज, फर्नीचर की व्यवस्था, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का निर्माण, पूर्वी ओर नया भवन निर्माण, परिसंचरण क्षेत्र और पार्किंग के विकास को स्वीकृति दी गई है और कार्य सौंपा गया है।

इसके अतिरिक्त, स्टेशन पर पानी की सुविधा में सुधार के लिए आरसीसी ओवरहेडक टैंक, भूमिगत टैंक, नया पंप कक्ष, पाइपलाइन कार्य की व्यवस्था, नासिक रोड रेलवे स्टेशन का

उन्नयन, मौजूदा पुराने ऊपरी पैदल पुल को तोड़ने का कार्य, यात्री सूचना प्रणाली की व्यवस्था का कार्य और प्लेटफार्म संख्या 2, 3 और 4 पर प्लेटफार्म शेल्टर की व्यवस्था का कार्य स्वीकृत किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की योजना है। इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लानिंग में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था और पेयजल-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म को ऊपर से कवर करना
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के जरिए स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एग्जीक्यूटीव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य सतत और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

******